पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम**)**

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के वित्त वर्ष **2016-17** की दूसरी तिमाही के सम्मेलन का विवरण

10 नवंबर**, 2016**

प्रबंधन :

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की टीम :

श्री राजीव शर्मा - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,

श्री आर. नागराजन - निदेशक (वित्त)

श्री ए.के. अग्रवाल - निदेशक (परियोजना)

श्री डी. रवि - निदेशक (वाणिज्यिक)

संचालक : श्री आर. श्रीशंकर - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड

- संचालक :

- श्री आर. श्रीशंकर प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड से। धन्यवाद सर!

- श्री आर. श्रीशंकर -प्रभुदास लीलाधर

- सभी उपस्थित महानुभावों का धन्यवाद । सभी प्रतिभागियों को नमस्कार। अब मैं, बैठक में उपस्थित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के प्रबंधकवर्ग के प्रतिनिधि श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. नागराजन, निदेशक (वित्त), श्री ए.के. अग्रवाल, निदेशक (परियोजना), श्री डी. रवि, निदेशक (वाणिज्य) और टीम के अन्य सदस्यों का स्वागत करता हूं। वित्त वर्ष 2016-17 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के परिणामों के संबंध में अद्यतन सूचना देने और अपना उद्घाटन व्याख्यान देने के लिए श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पीएफसी को अब मैं, यह मंच सौंपता हूं। सर यह मंच आपको सौंपा जाता है।

- श्री राजीव शर्मा -अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

- सभी उपस्थित देवियों और सज्जनों को नमस्कार। मैं, 30 सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही और छमाही के हमारे वित्तीय परिणामों को जानने के लिए इस सम्मेलन में पधारे आप सबका स्वागत करता हूं। सर्वप्रथम मैं, वित्त वर्ष 2017 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के दौरान वित्तीय कार्य-निष्पादन की जानकारी आपको देना चाहूंगा और उसके पश्चात मैं, क्षेत्रीय विकास के बारे में बात करूंगा। हमारी ऋण परिसंपत्ति में 5 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई गई है, जो 2,24,000 करोड़ रुपए से 2,34,000 हो गई है। हम क्षेत्रीय चुनौतियों के बावजूद 2,24,000 करोड़ की बड़ी परिसंपत्ति के आधार पर ऋण की इस वृद्धि को बनाए हुए हैं और इस वर्ष अब तक लगभग 17,000 करोड़ की यूडीएबाई की पूर्व अदायगी कर चुके हैं। हम 3.4 प्रतिशत के अच्छे स्तर पर ब्याज में विस्तार भी कर पाए थे और वित्त वर्ष 2017 की पहली छमाही में 4.90 प्रतिशत का एनआईएम भी बनाए हुए हैं। जहां तक अन्य ऊंचाइयों का प्रश्न है, वितरणों में भी 26 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है, जो 17,727 करोड़ रुपए से 22,265 करोड़ रुपए हो गई है। आय में कुल वृद्धि 3 प्रतिशत तक हुई है, जो 13,783 करोड़ रुपए से 14,158 करोड़ रुपए हो गई है। लाभ में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जो 3,272 करोड़ रुपए से 3,586 करोड़ रुपए हो गया है और निबल मूल्य में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 35,267 करोड़ रुपए से 39,275 करोड़ रुपए हो गया है।

- जहां तक वित्त वर्ष 2017 की दूसरी तिमाही का संबंध है, संवितरणों में 45 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जो 9,977 करोड़ रुपए से 14,510 करोड़ रुपए हो गया है। निबल लाभ में 11 प्रतिशत तक की

वृद्धि हुई है, जो 1,695 करोड़ रुपए से 1,873 करोड़ रुपए हो गया है। पहली छमाही की दूसरी तिमाही में हुई लाभ की वृद्धि में 106 करोड़ रुपए (निबल कर) के उचित मूल्य लाभ भी शामिल है, जिसे व्युत्पन्न जमा पर आईसीएआई द्वारा दी गई मार्गदर्शी टिप्पणी के अनुसार स्वीकार किया गया है। इस लाभ में उचित मूल्य लाभ शामिल नहीं है, जो वित्त वर्ष 2017 की पहली छमाही के बाद एनपीए में हुई वृद्धि के कारण रुक गया है। (लगभग 4,500 करोड़ रुपए) और अब तक यूडीएबाई की प्राप्त पूर्व अदायगी (लगभग 21,300 करोड़ रुपए) है। वित्त वर्ष 2017 की दूसरी तिमाही के दौरान कोई नया एनपीए नहीं जोड़ा गया था। सकल एनपीए 7,585 करोड़ रुपए का है, जो ऋण परिसंपत्तियों का 3.21 प्रतिशत है, वित्त वर्ष 2017 की पिछली पहली तिमाही में यह 3.34 प्रतिशत थी। निबल एनपीए 5,706 करोड़ रुपए का है अर्थात् ऋण परिसंपत्तियों का 2.44 प्रतिशत है, जबकि वित्त वर्ष 2017 की पहली तिमाही में यह 2.66 प्रतिशत था। एनपीए के लगभग 25 प्रतिशत के तीन ऋण पहले ही जारी कर दिए गए हैं और उनके संबंध में गैस की उपलब्धता/टैरिफ का मुद्दा है। दो ऋण, जो एनपीए के लगभग 36 प्रतिशत हैं, वर्ष 2016 में जारी कर दिए जाएंगे और एनपीए का शेष 39 प्रतिशत अभी निर्माणाधीन हैं। मुझे आशा है कि हम विद्यमान एनपीए में इन मुद्दों का समाधान कर देंगे और आने वाली तिमाही में निश्चित रूप से इनमें वृद्धि करवा देंगे। हम स्वामित्व में परिवर्तन का पता लगा रहे हैं और इन एनपीए को पुनः चालू करने के बारे में विभिन्न स्टेक होल्डरों के साथ चर्चा करने का प्रयास कर रहे हैं।

- जहां तक पुनः निर्मित परिसंपत्तियों का प्रश्न है, दिनांक 30-09-2016 को पुनः निर्मित परिसंपत्तियां लगभग 39,898 करोड़ रुपए की हैं, जिनमें से 15,981 करोड़ रुपए अर्थात 53 प्रतिशत पहले ही जारी किया जा चुका है और इसमें वृद्धि की जाएगी। वित्त वर्ष 2016-17 की अगली छमाही में 6,761 करोड़ रुपए को मानक में उच्चीकृत किया जाएगा। 7,346 करोड़ रुपए को अगले वित्त वर्ष 2017-18 में मानक रूप में उच्चीकृत किया जाएगा और 1,874 करोड़ रुपए को वित्त वर्ष 2018-19 में मानक के रूप में उच्चीकृत किया जाएगा। ऐसी अपेक्षा है कि वित्त वर्ष 2016-17 की दूसरी छमाही में 11,623 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे और वित्त वर्ष 2017-18 में 2,294 करोड़ रुपए जारी किए जाने की संभावना है।

- जहां तक संसाधनों को जुटाने का प्रश्न है, हमने वित्त वर्ष 2017 की पहली छमाही के दौरान लगभग 39,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जिनकी मार्जिनल लागत 7.55 प्रतिशत थी। हमारा पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात 21.77 प्रतिशत पर ठहरा हुआ है, जिसके पहले चरण में 18.59 प्रतिशत पूंजी है। यह पूंजी क्रमशः भारतीय रिजर्व बैंक की 15 प्रतिशत की अपेक्षा के अनुसार है और चरण एक की पूंजी 10 प्रतिशत है।

- यूडीएबाई, विद्युत मंत्रालय द्वारा नवंबर 2015 में अधिसूचित वितरण कंपनियों की कुल कारोबार की योजना है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018-19 तक सकल तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों को 15 प्रतिशत तक

कम करना है, एआरआर और एएससी के बीच के अंतर को वर्ष 2018-19 तक 0 (शून्य) करना है। वर्ष 2017-18 तक लगभग सभी विद्युत वितरण कंपनियों को लाभ होगा और वर्ष 2018-19 तक शेष 3-4 को भी लाभ होगा।

- आज की तारीख तक यूडीएबाई की प्रगति : 16 राज्यों और एक संघ राज्य क्षेत्र ने विद्युत मंत्रालय के साथ यूडीएबाई संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। 1.82 करोड़ रुपए मूल्य के बांड अर्थात यूडीएबाई के ऋण के लगभग 83 प्रतिशत जारी कर दिए गए हैं और उनमें अभिदान कर दिया गया है, फीडर मानीटरिंग कार्य का 95 प्रतिशत यूडीएबाई वाले राज्यों में पूरा हो गया है। फीडरों को पृथक करने के कार्य का लक्ष्य लगभग 48 प्रतिशत तक प्राप्त कर लिया गया है (इस लक्ष्य को मार्च, 2018 तक पूर्णतः प्राप्त कर लिया जाएगा)। कम से कम 8 राज्यों ने एसीएस और एआरआर के बीच के अंतर को काफी कम कर दिया है और 22 राज्यों ने एकीकृत तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों को कम करने की रिपोर्ट दी है।

- यूडीएबाई के कारण पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? पीएफसी का डिस्कॉम ऋण यूडीएबाई के अधीन आता है, जो लगभग 48,800 करोड़ रुपए है, जिसमें से 31,000 करोड़ रुपए के संबंध में राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर पहले ही हस्ताक्षर कर दिए गए हैं और हम तीन राज्यों से (जिन्होंने अभी यूडीएबाई जॉइन करना है) से 17,800 करोड़ रुपए हमें प्राप्त होंगे। आज की तारीख तक यूडीएबाई के अधीन वापस किया गया ऋण 21,300 करोड़ रुपए है। यूडीएबाई के अनुसार यूडीएबाई के कार्यान्वयन की सीमा तक पीएफसी के सभी ऋणों की वापसी हो जाएगी। यूडीएबाई के अधीन आने वाली विद्युत वितरण कंपनियां का समग्र विद्युत क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे लंबे समय में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा। पीएफसी की 76 प्रतिशत लोन परिसंपत्तियां विद्युत उत्पादन क्षेत्र के लिए हैं और वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार करने के लिए है, अतः विद्युत उत्पादन क्षेत्र पर दिए जाने बाले बल में काफी कमी कर दी गई है। लेकिन पीएफसी ने यूडीएबाई में पूर्व अदायगी की संभावना के कारण नए क्षेत्रों और कारोबार के क्षेत्रों का पता लगाया है और अपने उत्पाद में संशोधन किया है, जिसके अनुसार और अधिक बाजार पर पकड़ बनाने का प्रस्ताव है, ताकि इसके कारोबार में और वृद्धि बनाए रखी जा सके।

- नवीकरणीय ऊर्जा के वित्त पोषण पर बल दिया जाना : अनुमान के अनुसार अगले 5 वर्ष में विद्युत क्षेत्र को 20 लाख करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी, जिसमें से 8 लाख करोड़ रुपए का निवेश नवीकरणीय ऊर्जा में करना होगा। नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता में वर्ष 2022 तक 1,75,000 मेगावाट की वृद्धि करनी होगी। अतः पीएफसी ने इस संबंध में पहले ही कुछ उपाय शुरू कर दिए हैं यथा, प्रतियोगी शर्तों का प्रस्ताव देना, जिसमें कम ब्याज दर और संसोधित नीतियां भी शामिल हैं, ताकि नवीकरणीय ऊर्जा

के कारोबार को और बढ़ाया जा सके। हम ऋण वित्त पोषण की आकर्षक शर्तों का प्रस्ताव दे रहे हैं और हमने तुरंत संवितरण के लिए परियोजनाएं चालू कर दी हैं। हम पारेषण और वितरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी उत्साही हैं, जिसमें एकीकृत विद्युत विकास योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना जैसी भारत सरकार की योजनाओं से कारोबार में अपने सहयोगियों से वित्त पोषण लेना भी शामिल है।

- चौबीसों घंटे और सातों दिन सभी को बिजली उपलब्ध रहे, इसके लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा 10.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने पर बिचार किया जा रहा है। आज की तारीख तक दो राज्यों के सिवाए देश के सभी राज्यों ने विद्युत मंत्रालय के साथ सभी दस्तावेजों पर चौबीसां घंटे और सातों दिन बिजली की उपलब्धता के संबंध में हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके अलावा हमारी शेष ऋण स्वीकृतियां 1.68 लाख करोड़ रुपए की हैं, जो हमारे वार्षिक संवितरण का लगभग तीन गुना है, इससे इस बात का संकेत मिलता है कि हमारा कारोबार ससक्त तरीके से आगे बढ़ रहा है। लेकिन यूडीएबाई के कारण राज्य विद्युत यूटिलिटियों के कार्य-निष्पादन की प्रचालन संबंधी दक्षता में सुधार होगा।

- जैसा मैंने पहले बताया है कि जहां तक विद्युत क्षेत्र में अन्य विकासों का संबंध है, देश के लगभग सभी राज्यों ने विद्युत मंत्रालय के साथ चौबीसों घंटे और सातों दिन बिजली की उपलब्धता के संबंध में सभी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस दस्तावेज में राज्य के सभी उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे और सातों दिन बिजली उपलब्ध किए जाने, राज्यों में अविद्युतीकृत घरों का विद्युतीकरण करने, विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार करने और सब ट्रांसमिशन और वितरण प्रणाली का उच्चीकरण करने और उसे ससक्त बनाने के लिए अतिरिक्त निवेश करना, विद्युत उत्पादन की क्षमता वृद्धि को तेज करना और पारेषण प्रणाली को ससक्त करने की रूप-रेखा तैयार की गई है। आईपीडीएस में एकीकृत विद्युत विकास योजना, जिसमें आर-एपीडीआरपी कार्यक्रम भी शामिल हैं, के लिए सभी राज्यों को कुल 65,424 करोड़ रुपए स्वीकृत कर दिए गए हैं। इनका उद्देश्य एकीकृत तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों को 15 प्रतिशत तक कम करना है। पूरे देश में 2,600 शहरों का और पता लगाया गया है, जिन्हें आईटी सक्षम प्रणाली के अधीन लाया जाएगा, ताकि एकीकृत तकनीकी और वाणिज्यिक हानियां कम की जा सकें और उनका उचित रूप से आंकलन किया जा सके और शहरी क्षेत्रों में सभी उपभोक्ताओं को मीटर उपलब्ध किए जा सकें। इन उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर दिए जा सकते हैं और 1,228 गो-लिव शहरों में से 923 शहरों से एकीकृत तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों में कमी की सूचना प्राप्त हुई है। यूडीएबाई योजना के अधीन राज्य अपनी-अपनी प्रचालन संबंधी दक्षता में सुधार करने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। विद्युत सचिव के स्तर पर प्रत्येक माह नियमित रूप से मानीटरिंग किया जा रहा है, जिसमें पीएफसी और आरईसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भी सदस्य हैं। राज्यों के साथ बहुत गहन मानीटरिंग कार्य

नियमित रूप से किया जा रहा है, ताकि प्रचालन संबंधी मापदंडों में सुधार किया जा सके और मुझे आप को यह सूचित करते हुए प्रशंसा हो रही है कि 12 राज्यों ने एकीकृत तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों में कमी की सूचना दी है और 8 राज्यों ने एसीएस और एआरआर के बीच के अंतर को काफी कम कर दिया है।

- सभी फीडरों के 100 प्रतिशत मीटरिंग का कार्यक्रम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और इसकी मानीटरिंग भी माननीय विद्युत मंत्री महोदय और विद्युत सचिव के स्तर पर की जा रही है। फीडरों और कृषि फीडरों को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना के अधीन अलग-अलग करने की स्वीकृति भी मिल गई है। ये परियोजनाएं सौंपी जा रही हैं और शीघ्र ही पूरे देश में इसे लागू कर दिया जाएगा। यह दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, जिसमें पहले की राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना भी शामिल है, जिसे अब दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना में विलयित कर दिया गया है का कुल परिव्यय 75,893 करोड़ रुपया है। इससे ग्रामीण उप पारेषण और वितरण प्रणाली को ससक्त और उच्चीकृत किया जाएगा, ताकि अविद्युतीकृत आवासों को बिजली दी जा सके और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बेहतर गुणवत्ता प्रदान की जा सके। देश में ग्रामीण घरों को बिजली देने के कार्य में अच्छी प्रगति हो रही है अतः अब लगभग 8,000 जनगणना ग्राम विद्युतीकृत होने के लिए शेष हैं और इस कार्य को मंत्रालय के स्तर पर और प्रधानमंत्री के कार्यालय के स्तर पर नियमित रूप से मानीटर किया जा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले छः माह में देश के शेष सभी अविद्युतीकृत गांव भी विद्युतीकृत हो जाएंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद। अब हम प्रश्न-उत्तर सत्र शुरू कर सकते हैं।

- संचालक

- बहुत-बहुत धन्यवाद। अब हम प्रश्न-उत्तर सत्र शुरू करेंगे। कोई भी व्यक्ति यदि प्रश्न पूछना चाहता है तो वह अपने टच टोन टेलीफोन पर श्’श् और श्1श् को दबाएं। यदि आप प्रश्न की लाइन से अपने आपको हटाना चाहें तो आप श्’श् और श्2श् को दबाएं। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे प्रश्न पूछते समय हेंडसेट का प्रयोग करें।

- हम अपना पहला प्रश्न श्री हर्षित तोशनीवाल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की पंक्ति से शुरू करेंगे। कृपया प्रश्न पूछें।

- श्री हर्षित तोशनीवाल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज

- सर नमस्ते। मैंने अभी पुर्नगठित परिसंपत्तियों की श्रेणी से कुछ संख्या खो दी है अतः कृपया बताएं कि कुछ समय बाद मानक परिसंपत्तियों को किस प्रकार पुनः उच्चीकृत किया जा रहा है। क्या आप इस भाग को दोहरा सकते हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां, दिनांक 30-09-2016 को पुनर्गठित परिसंपत्तियां 29,898 करोड़ रुपए की हैं, जिनमें से 15,981 करोड़ रुपए , लगभग 53 प्रतिशत पहले ही शुरू कर दी गई हैं और उन्हें उच्चीकृत किया जाएगा। 6,761 करोड़ रुपए को अगली छमाही में मानक स्तर तक उच्चीकृत किया जाएगा। 7,346 करोड़ रुपए को अगले वित्त वर्ष 2017-18 में मानक स्तर तक उच्चीकृत किया जाएगा और 1,874 करोड़ रुपए को वित्त वर्ष 2018-19 में मानक स्तर तक उच्चीकृत किया जाएगा।

- श्री हर्षित तोशनीवाल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज

- ठीक है सर। बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर की पंक्ति से पूछेंगे।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- हैलो सर, आज की तारीख तक कितने डिस्काम बांड हमें प्राप्त हो गए हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- यह प्रीपेड है, राज्यों ने आज की तारीख तक पीएफसी को 21,300 करोड़ रुपए का प्रीपेड कर दिया है, लेकिन हमने बांड नहीं लिए हैं, यह नकद राशि है, जो हमने प्राप्त की है।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- ठीक है। मेरा दूसरा प्रश्न इस संबंध में है कि आप हमारी ऋण पुस्तिका में संवृद्धि कहां देखते हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 1,75,000 मेगावाट जोड़ने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश की आवश्यकता है। अतः हम नई नवीकरणीय परियोजनाओं के वित्त -पोषण पर उत्साह से कार्य कर रहे हैं इसके अलावा हम अपने पारेषण और

वितरण प्रोफाइल की पुनः वित्त-व्यवस्था करने के लिए राज्यों के साथ कार्य कर रहे हैं, जिसके संबंध में बैंकों या अन्य उधारदाताओं द्वारा पहले ही वित्त-व्यवस्था कर दी गई है। हम साथियों के साथ वित्त पोषण की योजना पर भी कार्य कर रहे हैं, जो एकीकृत विद्युत विकास योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना का भाग है।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- क्या आप कोई ऐसी संख्या बता पाएंगे कि वित्त वर्ष 2017-18 में कितनी संवृद्धि होगी?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- भविष्य के बारे में कुछ बता पाना कठिन होगा, लेकिन काफी संभावनाएं हैं और हम उन सभी संभावनाओं का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं और हम इसमें काफी सफल भी हुए हैं।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- क्या परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में भी कुछ है और क्या परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में कोई जोखिम है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- परिसंपत्तियों की गुणवत्ता के मामले में सुधार हो रहा है, क्योंकि इस तिमाही के दौरान कोई एनपीए नहीं है और हम संस्थापित परियोजनाओं तथा भारी दबाब वाली परियोजनाओं को पुनः शुरू करने के लिए राज्यों की सहायता से निष्ठापूर्वक प्रयास कर रहे हैं। लेकिन इस अवस्था में मैं आपको कुछ नहीं बता पाऊंगा, लेकिन परियोजना विशेष के संबंध में कुछ संस्थापित परियोजनाओं को पुनः शुरू करने के लिए हम राज्य सरकारों के साथ कार्य कर रहे हैं।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- ठीक है। कृपया मार्जिन के संबंध में बताएं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- मार्जिन के संबंध में हमारा विस्तार पहले ही बहुत अच्छा है, जो 3.4 प्रतिशत है और एनआईएमवी 4.9 प्रतिशत है इसलिए हम अच्छे मार्जिन पर कार्य कर रहे हैं।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- और परिसंपत्तियों पर आपकी प्राप्तियों के संबंध में माध्यमिक दृष्टिकोण क्या है और इक्विटी / निबल मूल्य पर आपने क्या वापसी बनाए रखी है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- भविष्य के बारे में इस संबंध में हम कुछ नहीं कह सकते हैं। हमने 30 सितंबर तक बहुत अच्छा कार्य किया है, जिससे हमें वापसी के रूप में 3.06 प्रतिशत और औसत निबल मूल्य पर वापसी के रूप में 19.61 प्रतिशत की प्राप्ति हुई है।

- सुश्री स्नेह गणत्रा, शुभकम बैंचर

- ठीक है, कृपया इसे बनाए रखें। धन्यवाद।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री अर्पित मालवीय, रिलाइंस लाइफ इंश्योरेंस की पंक्ति से पूछेंगे। कृया प्रश्न पूछें?

- श्री अर्पित मालवीय, रिलाइंस लाइफ इंश्योरेंस

- महोदय, मेरा प्रश्न इस बांड कार्यक्रम के बारे में है, आपने बताया है कि आपको पहली छमाही में लगभग 39000 करोड़ रुपए पहले ही प्राप्त हो गए हैं, तो कृपया बताएं कि दूसरी छमाही के लिए क्या योजना है और क्या आप इस 39,000 करोड़ रुपए के दीर्घकालिक और अल्पकालिक उधार को अलग-अलग विभाजित करके बता पाएंगे?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- वर्ष की शेष अवधि के लिए हमारा उधार लेने का कार्यक्रम इस बात पर निर्भर करता है कि क्या हमें यूडीएबाई योजना के अधीन राज्य डिसकामां से निधि प्राप्त हो रही है, क्योंकि महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों ने यूडीएबाई को जॉइन कर लिया है और अभी तक उन्होंने ऋण की वापसी के बारे में कुछ नहीं कहा है। अतः बाजार से धन जुटाना है और उसके पश्चात राज्य सरकारों द्वारा ऋण को लिया जाना है। हमने तमिलनाडु से सुना है कि वे भी यूडीएबाई को अपनाना चाहेंगे। इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या हमें यूडीएबाई से धन प्राप्त हो रहा है। तदनुसार हम यह योजना बनाएंगे कि हमें दीर्घकालिक उधार लेना है या अल्पकालिक उधार लेना है। यदि हमें यह जानकारी मिल जाती है कि डिसकाम यूडीएबाई के अधीन पहले ऋण देते हैं, तो हम उस हद तक सीपी के लिए कार्य करेंगे, ताकि जैसे

ही धन आता है, हम सीपी को पूर्व अदायगी (प्री-पे) कर देंगे। यदि वे यूडीएबाई के लिए बाजार में नहीं आ रहे हैं तो हम दीर्घकालिक उधार लेने के बारे में सोचेंगे।

- श्री अर्पित मालवीय, रिलाइंस लाइफ इंश्योरेंस

- ठीक है। मेरा प्रश्न है कि यदि यूडीएबाई कार्य नहीं करता है तो उधार की रकम क्या हो सकती है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- शेष अवधि के लिए अनुमानित उधार लगभग 20 करोड़ रुपए या 25 करोड़ रुपए हो सकता है।

- श्री अर्पित मालवीय, रिलाइंस लाइफ इंश्योरेंस

- महोदय क्या आप अब तक पहली छमाही के उधार के विभाजन के बारे में भी बता सकते हैं कि इसमें कितना दीर्घकालिक है और कितना अल्पकालिक?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- हमने लगभग 19 हजार करोड़ रुपए के बांड उधार लिए हैं और उसके पश्चात सीपी में 20 हजार करोड़ रुपए लगाए हैं।

- श्री अर्पित मालवीय, रिलाइंस लाइफ इंश्योरेंस

- ठीक है, धन्यवाद सर।

संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड की पंक्ति से पूछेंगे। कृया प्रश्न पूछें?

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- हाय सर। सबसे पहले क्या आप इस बात पर प्रकाश डाल सकते हैं कि इस समय संस्थापित परियोजनाओं के बकाया की मात्रा क्या है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पुनर्गठन के रूप में हम कह सकते हैं कि लगभग 2-3 परियोजनाएं हो सकती हैं, लेकिन हम उन्हें पुनः चालू करने के संबंध में कार्य कर रहे हैं।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- इसकी मात्रा क्या होगी सर?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- लगभग 20 विलियन रुपए ।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- ठीक है। शेष धनराशि हमारे प्रोफाइल में कार्यरत है, क्या ऐसा ही है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- नहीं। या तो यह निर्माणाधीन है या इसने पहले ही कार्य करना शुरू कर दिया है।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- और इस समय निर्माणाधीन अनुपात क्या होगा?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पुनर्गठित परिसंपत्तियों के अधीन लगभग 29,898 करोड़ रुपए है, इसमें से निर्माणाधीन का अनुपात 16 परियोजनाओं में से 8 परियोजनाएं हैं।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- ठीक है, बहुत अच्छा सर। इसके बाद नवीकरणीय ऊर्जा के संबंध में कुछ प्रकाश डालने की कृपा करें? आपने कहा था कि आप आकर्षक संवृद्धि के भाग में कम दरों का प्रस्ताव दे रहे हैं। मैं केवल यह समझना चाहूंगा कि वे दरें क्या होंगी, जिनका आप इस संबंध में प्रस्ताव दे रहे हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- 9.75 प्रतिशत से 11 प्रतिशत तक, जो उधारकर्ताओं की दर पर निर्भर करता है।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- दूसरा प्रश्न यह है कि आपने कुछ धनराशि स्वीकृत कर दी है, क्या आप इसका विवरण दे सकते हैं कि इस समय नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कितनी धनराशि दी जाएगी?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- नहीं, यह कठिन होगा।

नहीं, लेकिन सभी बातें विद्युत उत्पादन के अधीन वर्गीकृत की गई हैं। हमने इसे निवेशक प्रस्तुतीकरण के अधीन पृष्ठ संख्या 12 पर पहले ही वेबसाइट में डाल दिया है। जहां हमने विद्युत उत्पादन के संबंध में लगभग 126 हजार करोड़ रुपए का उल्लेख किया है। इसलिए इसमें नवीकरणीय ऊर्जा के संबंध में दी जाने वाली स्वीकृति भी शामिल है, जिसमें से लगभग 20 हजार करोड़ रुपए पारेषण के लिए और लगभग 11 हजार करोड़ रुपए वितरण आदि के लिए हैं।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- और विद्युत उत्पादन के संबंध में नवीरकणीय ऊर्जा के, बाल पार्क के लिए कितना होगा?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- हो सकता है कि बहुत कम, हो सकता है 5 हजार करोड़ रुपए होंगे क्योंकि पारंपरिक रूप से हमने अधिक बल थर्मल परिसंपत्तियों पर दिया है, इसलिए बाकी लगभग 5 हजार करोड़ रुपए हो सकते हैं।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- और मैं यह भी समझना चाहता हूं कि समग्र पोर्टफोलियो में कोयले की कीमत क्या होगी? आप इसे वर्तमान पर्यावरण की स्थिति में कैसे देखते हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- आपका प्रश्न का आशय क्या है? क्या आप पोर्टफोलियो पर प्रभाव के बारे में जानना चाहते हैं।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- कोयले की कीमतों में आपने हाल ही में जो हलचल देखी है, क्या आप उसमें पोर्टफोलियो के संबंध में स्वतः कोई प्रयास किया है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- हालांकि स्थितियां बेहतर हो रही हैं, क्योंकि अब अधिक कोयला उपलब्ध है, जो संयंत्र न्यून पीएलएफ पर कार्य कर रहे थे, अब पीएलएफ में सुधार हो रहा है और कोल इंडिया प्रचालकों से कह रहा है कि वे अधिक कोयला उठाएं, इसलिए कोयले की उपलब्धता में सुधार हुआ है और आयात घटा है तथा विद्युत मंत्रालय भी यह प्रयास कर रहा है कि हम अपने कोयले के आयात को कम करें क्योंकि कोल इंडिया के पास बहुत कोयला उपलब्ध है। राज्यों की सभी विद्युत उत्पादन कंपनियों से कहा जा रहा है कि वे कोल इंडिया से अिक कोयला उठाएं।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- सर, अंतिम प्रश्न मैं स्वीकृति पूल की भावना के बारे में पूछना चाहता हूं, जो आज हमारे पास है। हम अगले छः माह में कितना संवितरण कर सकेंगे, जो हमें आज दिखाई दे रहा है कि अगले छः माह में इसका कितना संवितरण होगा?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- बाकी स्वीकृतियों के 1,68,000 करोड़ रुपए में से जिन मंजूरियों के संबंध में दस्तावेज निष्पादित किए गए हैं और संवितरण शुरू हो गया है, वह 71 हजार करोड़ रुपए का है और जिन मंजूरियों के संबंध में दस्तावेज निष्पादित कर दिए गए हैं लेकिन संवितरण शुरू नहीं हुआ है, वह लगभग 20 हजार करोड़ रुपए का है। इससे मार्च, 2017 तक काफी संवितरण किए जाने की संभावना है।

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्यूचुअल फंड

- ठीक है सर, धन्यवाद।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री कुनाल शाह, एडेलविश सिक्योरिटीज की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- हाय सर, एडेलविश से मैं प्रखर बोल रहा हूं। सर, संघटन के प्रावधान के संबंध में मेरे दो प्रश्न हैं। क्या आप यह बता पाएंगे कि इस तिमाही के लिए एनपीएल का प्रावधान क्या है और मानक परिसंपत्तियों का प्रावधान क्या है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- मानक परिसंपत्तियों के अनुसार आकस्मिक निधि का प्रावधान 645 करोड़ रुपए है और पुनर्गठित मानक परिसंपत्तियों के अनुसार आकस्मिक निधि का प्रावधान 1159 करोड़ रुपए है। ऋण परिसंपत्तियों के लिए विशिष्ट प्रावधान 1,879 करोड़ रुपए का है और वसूल न किए जा सकने योग्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि का प्रावधान 2,768 करोड़ रुपए है, इस प्रकार कुल धनराशि 6,451 करोड़ रुपए है।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- सर, वृद्धि का प्रावधान क्या है? क्या आप इसका विवरण दे पाएंगे।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पिछली तिमाही की वृद्धि या पिछले वर्ष की वृद्धि।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- पिछली तिमाही लाभप्रद होगी।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पिछली तिमाही की वृद्धि लगभग 300 करोड़ रुपए है, आकस्मिक एनपी के लिए 313 करोड़ रुपए का प्रावधान है, मानक परिसंपत्ति के अनुसार आकस्मिक निधि का प्रावधान 65 करोड़ रुपए है क्योंकि हमें आरबीआई के मापदंडों के अनुसार प्रावधान के संबंध में वृद्धि करनी है और उसके बाद हम 78 करोड़ रुपए की पुनर्गठित परिसंपत्तियों के संबंध में आकस्मिक निधि के प्रावधान को बदल दिया है, निवेश के मूल्य में गिरावट का प्रावधान 0.08 करोड़ रुपया है। इस प्रकार कुल निबल वृद्धि 300 करोड़ रुपया है।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- सर, यह 313 करोड़ रुपए एक विषम राशि है, जो आपने कही है, क्योंकि कुछ अन्य कारकों के लिए एनपीए का प्रावधान अधिक है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- नहीं, यह प्रतिशतता में वृद्धि के कारण है, क्योंकि जहांकहीं यह 18 महीने में पूरी हो रही है, वहां हमने प्रावधान में 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, 3 वर्ष के बाद हमें इसमें 50 प्रतिशत की वृद्धि करनी होगी। ऐसा केवल नए एनपीए को जोड़ने के कारण ही नहीं किया गया है, अपितु ऐसी पुर्नगठित परिसंपत्तियों के कारण किया गया है, जो दो वर्ष में पूरे हो गए हैं और जो पहले ही चालू कर

दिए गए हैं। इसकी प्रतिकूल रकम लगभग 78 करोड़ रुपया है और मानक परिसंपत्तियों के अनुसार आकस्मिक निधि का प्रावधान लगभग 65 करोड़ रुपया है, जो आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार बढ़ गया है और हमें अब 0.40 की ओर जाना होगा। जहांतक, 31 मार्च का संबंद्ध है, हमें लगभग 0.35 तक जाना होगा। इस प्रकार प्रतिमाह हम आनुपातिक प्रावधान कर रहे हैं, इसलिए यह 65 करोड़ रुपए तक चला गया है और कुल वृद्धि की रकम 300 करोड़ रुपया है।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- ठीक है सर, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। इस पुनर्गठित पुस्तिका पर कोई नया पुनर्गठन नहीं था, लेकिन पुनर्गठित पुस्तिका में 300 विलियन विषमता से लगभग 335 विलियन पुनर्गठित पुस्तिका में वृद्धि हुई। यह काफी हद तक अतिरिक्त पुनर्गठित पुस्तिका में अतिरिक्त प्रकटन के कारण हुई है।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पुनर्गठित पुस्तिका में वृद्धि के दो कारण हो सकते हैं। पहला यदि परियोजना पहले से ही पुनर्गठित है और हमने इस तिमाही में अतिरिक्त संवितरण किया है, तो परियोजना की परिसंपत्ति का आकार स्वतः बढ़ जाएगा और उसके बाद यह प्रावधान भी बढ़ जाएगा। दूसरा हमने इन सभी परिसंपत्तियों पर इस वर्ष 4.25 प्रतिशत की दर से पुस्तिका प्रावधान किया है। इसलिए ये दो कारण हैं, जिनसे पुनर्गठित पुस्तिका में वृद्धि होगी।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- इस प्रकार इस तिमाही में हमने जो अतिरिक्त पुनर्गठन किया है वह अतिरिक्त संवितरण के रूप में है, जो हमने पुनर्गठित ऋण के संबंध में किया था। इनमें से कितने प्रचालन की दिशा में कार्य कर रहे हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- यदि आपके पास संपत्ति विशेष के संबंध में कोई प्रश्न है, तो मैं आपको बता सकता हूं।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- नहीं सर, मैं सामान्यतया यह जानना चाहता था कि इसका अनुपात क्या है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पुनर्गठित ऋण में वित्त वर्ष 2016-17 की पहली तिमाही के दौरान 6.01 करोड़ रुपए का प्रावधान अतिरिक्त संवितरण के लिए किया गया है।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- सर, अब एक अंतिम प्रश्न। उत्पादन के रूप में हमने पूरे उत्पादन के दौरान कुछ दबाब देखा है और यह हमारे मार्जिन पर भी दिखाई दे रहा है। यदि संभव हो तो क्या मैं बुक उत्पादन और वृद्धि उत्पादन देख सकता हूं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पहली तिमाही में उत्पादन 11.94 प्रतिशत है और दूसरी तिमाही में 11.76 प्रतिशत, इस प्रकार यह कम हो गया है। यह आंकड़ा निवेशक प्रस्तुतीकरण में वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- सर, क्या यह काफी हद तक यूडीएबाई के अधीन या किसी अन्य के अधीन वापसी के कारण है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- एक 21,300 करोड़ रुपए की वापसी के कारण है, क्योंकि यूडीएबाई और विद्युत उत्पादन कंपनी हमसे दर कम करने को कह रही हैं। क्योंकि यूडीएबाई योजना बाद वे यह महसूस करते हैं कि वितरण कंपनियों का जोखिम सभी विद्युत उत्पादन कंपनियों के जोखिम से कम होगा। इसलिए वे दरों में कमी के बारे में भी कह रहे हैं, जिससे परियोजना चालू की जाती हैं। हमने भी उन स्थितियों में रिवेट लागू कर दिया है, जिनमें पिछले वर्ष परियोजनाएं चालू की गई थीं, इसलिए पिछले वर्ष यह वर्ष की शुरूआत थी और अब कुछ अन्य परियोजनाओं को भी पिछले वर्ष का लाभ दिया गया है, उनका भी इस वित्त वर्ष पर प्रभाव पड़ रहा है।

- श्री प्रखर, एडेलविश सिक्योरिटीज

- ठीक है सर, बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री प्रफुल कुमार, एमएसडी पार्टनर की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री प्रफुल कुमार, एमएसडी पार्टनर

- नमस्ते सर और प्रश्न पूछने का अवसर देने के लिए धन्यवाद। सर पुनर्गठित पुस्तक का कौन-सा भाग वह पीपीए नहीं होगा, जिस पर अभी हस्ताक्षर किए जाने हैं। हो सकता है कि वह जैसा आपने बताया लेनको इंडिया बल्स जैसा कोई नाम हो सकता है। सर पुनर्गठित पुस्तक का कौन-सा भाग आज पीपीए नहीं है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- प्राइवेट क्षेत्र के अधीन 13 पुनर्गठित खातों में से पांच खातों में पीपीए पर अभी हस्ताक्षर किए जाने हैं।

- श्री प्रफुल कुमार, एमएसडी पार्टनर

- कृपया इन पर हस्ताक्षर करवाएं और पुनर्गठित खातां के रूप में हमने यह मान लिया है कि क्या इसमें कोई विलंब है? हम यह जानते हैं कि आपको इस बात की जानकारी होगी, उनके लिए वित्त व्यवस्था की जाए और क्योंकि ये वास्तविक परियोजनाएं हैं वे चालू हो जाएंगी और ऐसी सभी परिसंपत्तियों पर ब्याज की आय अर्जित होने लगेगी, क्या यह सही है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी

- हलो सर, प्रश्न पूछने का अवसर देने के लिए धन्यवाद। इस तिमाही के दौरान पुनर्गठित पुस्तक की कितनी धनराशि को उच्चीकृत किया गया है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- लगभग 3,350 करोड़ रुपए ।

- श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी

- ठीक है, और हम यह कब कहते हैं कि दूसरी छमाही के लिए कितनी रकम उच्चीकृत की गई है और वित्त वर्ष 2018 में कितनी रकम उच्चीकृत की जाएगी? ये मूलतः वे परियोजनाएं हैं, जो चालू की जा रही हैं।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- परियोजना के पुनर्गठन या चालू होने की तारीख से, जो भी बाद में हो, से दो वर्ष की शर्त है। इसलिए इस शर्त के आधार पर इसे उच्चीकृत किया जाएगा।

- श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी

- ठीक है, काफी उचित है। धन्यवाद सर ।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- नमस्ते सर, प्रश्नों के क्रम में एक छोटा प्रश्न यह है, जो पहले भी पूछा गया था कि पुनर्गठित उच्चीकरण की दिशा में ऐसा क्या है, जो उस समय हमें विश्वास दिलाता है, जब हम पुनर्गठित उच्चीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हैं, इसलिए चालू वर्ष ही इसका आधार होता है, जैसा आपने कहा था कि मेरा आशय है दो वर्ष पूरे होना। इसलिए दो वर्ष पूरे होने की तारीख ही इसका आधार दिया गया है, क्या यह सही है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां, पुनर्गठन की तारीख से।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- देखने में ऐसा आया है कि ये प्रचालन का वह तरीका नहीं है, जिसे हम सोचते हैं। क्या यह उस जैसा या . . . . . .का अवसर है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- उच्चीकृत दोनों परियोजनाएं प्रचालन परिसंपत्तियां हैं। एक परिसंपत्ति में परिसंपत्ति को कोयले की समस्या है और वह सरकारी कंपनी की परिसंपत्ति है, इसलिए हमने इस परियोजना के चालू होने के बाद प्रचालन के दो वर्ष के अंदर इसका पुनर्गठन कर दिया है। इसलिए कोयले की समस्या अब नहीं है और हमने दो वर्ष के बाद इसका उच्चीकरण कर दिया है और अब इसमें कोई मुद्दा नहीं है। दूसरा मामला प्राइवेट क्षेत्र के उधारकर्ता का है। उन्होंने परियोजनाओं को पहले ही चालू कर दिया है, इसलिए दो वर्ष बाद हमने उनका उच्चीकरण कर दिया है।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- अतः यह लगभग सुनिश्चित है कि बताई गई इन संख्याओं के बारे में आगे अध्ययन किया जाएगा।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां, इसीलिए हमने दो वर्ष या चालू होना, जो भी बाद में हो कहा था।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- सर, हम यह भी जानना चाहते हैं कि क्या पुनर्गठन के लिए कोई कार्य किया जा रहा है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- मेरी जानकारी के अनुसार हमें ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- सर, यूडीएबाई का उल्लेख करते समय आपने कहा था कि यूडीएबाई से आपके तुलन-पत्र में वास्तविक कमी आई है और आप नये उत्पादों के संबंध में विचार कर रहे हैं, इसलिए आपको अपनी पुस्तक में संवृद्धि करने के लिए यूडीएबाई में स्थान अभिनिर्धारित किया है। इसलिए क्या आप इसे थोड़ा विस्तार से बता सकते हैं कि ये नए उत्पाद किस प्रकार के हैं, क्या ये केवल नवीकरणीय हैं या यह कुछ अन्य प्रकार के हैं, जिनके संबंध में हम उद्यम कर रहे हैं।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- राज्य विद्युत यूटिलिटियों का पुनः वित्त पोषण-पारेषण, वितरण पोर्ट फोलियो और कुछ अच्छे राज्य विद्युत यूटिलिटियों के कुछ नये उत्पाद।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- इसलिए मूल रूप में ये नये उत्पाद पारेषण से संबंधित हैं।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां, पारेषण में भी और बड़ी पारेषण परियोजनाओं में भी प्रतियोगिता के लिए हम 25 आधार बिंदुओं पर कम ब्याज दर का प्रस्ताव दे रहे हैं, जिन्हें प्राप्त करने के लिए आप सामान्यतः कभी भी प्रयोग में नहीं लाते हैं, लेकिन अब हम नई परियोजनाओं को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- ये दीर्घकालिक परियोजनाएं हैं या हम छोटी परियोजनाओं में भी उद्यम कर रहे हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- या तो ये बड़ी परियोजनाओं के सुदृढ़ीकरण की प्रणाली हैं या ये बड़ी विद्युत उत्पादन परियोजनाओं की निकास प्रणाली हैं, इसलिए इन परियोजनाओं का मूल्य 1000 करोड़ रुपए या 1000 करोड़ रुपए से अधिक या ऐसा ही कुछ है।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- ठीक है सर, यह बड़ी बात है और सर क्या ओएफएस को प्राप्त करने की कोई योजना है, जैसा कि सुनने में आ रहा है. . . . . .?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- वास्तव में आपको इसे भारत सरकार से पूछना चाहिए, हम ओएफएस को पुनः प्राप्त करने के बारे में कुछ नहीं कह सकते हैं।

- सुश्री मनीषा पोरवाल, टोरस म्युचुअल फंड

- ठीक है सर। धन्यवाद। मैं बस इतना ही पूछना चाहती हूं। ऑल द बेस्ट।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- सभी को नमस्ते और अवसर देने के लिए आपको धन्यवाद। पहला प्रश्न पुनर्गठित पुस्तकों के संबंध में है, आपने 29 हजार विषम पुस्तकों के संबंध में कहा था, 16 हजार विषम पुस्तकें चालू हैं और उन्हें उच्चीकृत किया जाएगा। कृपया बताएं कि शेष 13 हजार विषम पुस्तकों की स्थिति क्या है? क्या इस प्रकार का कोई जोखिम है कि इनमें से कुछ एनपीएल में चली जाएंगी?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- वित्त वर्ष 2016-17 की दूसरी छमाही में 11,623 करोड़ रुपए जारी किए जाने की संभावना है और 2,294 करोड़ रुपए वर्ष 2017-18 में जारी किए जाने की संभावना है।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- इसलिए इसे जारी किए जाने की तारीख से दो वर्ष तक आपको यह अधिकार है कि आप इसे उच्चीकृत करेंगे।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- पुनर्गठन की तारीख से 2 वर्ष।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- मेरा आशय है कि क्या ये प्रतिष्ठान अपनी देयताओं को वर्तमान में किस्तों में पूरा कर रहा है या ऐसा किए बिना आप उनका उच्चीकरण कर सकते हैं? मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि क्या उनसे कोई किस्त देय है, जिसे वे नकद रूप में अदा कर रहे हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- यदि यह प्रचालनाधीन परियोजना है और इसका चालू होना निश्चित है, तो इसको वास्तव में चालू किया जाएगा। इसलिए आईडीसी या तो इक्विटी से या ऋण से आएगा, इसलिए तदनुसार इसे संबंधित उधारदाता, अन्य उधारदाता द्वारा या इक्विटी से पूरा किया जाएगा।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- इसलिए मूल रूप में भले ही इसे चालू कर दिया गया हो और ऋण पूरा नहीं किया गया हो, फिर भी सिद्धांततः इसे उच्चीकृत किया जाएगा।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- नहीं, लेकिन जैसे सीएमडी साहब ने कहा है, उन्होंने वित्त वर्ष 2016-17 और वित्त वर्ष 2017-18 के बारे में बात की है और दोनों शेषों के बारे में बात की है, जिसमें 11,000 और 2000 के बारे में बताया है। उन्होंने दूसरी छमाही और उसके बाद वित्त वर्ष 2017-18 में चालू किए जाने के बारे में कहा है, इसका आशय यह है कि ये परियोजनाएं केबल निर्माणाधीन हैं और इन्हें चालू नहीं किया गया है, इसीलिए उन्होंने चालू किए जाने की बात कही है और उन्होंने चालू किया गया शब्दों का प्रयोग नहीं किया है। इसलिए हमें आशा है कि ये परियोजनाएं वित्त वर्ष 2016-17 की दूसरी छमाही तक या वित्त वर्ष 2017-18 में शुरू कर दी जाएंगी, इसलिए इनका उच्चीकरण किया जाएगा।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- जी सर, इसे करवाएं। दूसरी बात यह है कि मार्च 2017 में रिजर्व बैंक के साथ किए जाने वाले आपके समझौता ज्ञापन के अनुसार आपको एनपीएल में चार माह और लगेंगे। कोई अन्य अनुमान, जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि इस शब्द का तात्पर्य आज की तारीख तक एनपीएल में परिवर्धन करना है, यदि आप आज से चार महीने और लगाते हैं, तो एनपीएल की संख्या क्या होगी?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- भारतीय रिजर्व बैंक से इस संबंध में पहले ही स्पष्टीकरण प्राप्त किया जा चुका है कि हम यह कार्यान्वयन योजना प्रस्तुत कर रहे हैं कि हम 180 दिनों को घटाकर 90 दिन कैसे कर सकते हैं। पिछले वर्ष हमने 150 दिन दर्शाए थे, हालांकि हमने 31 मार्च, 2016 को इसे पूरा कर दिया था और एक के सिवाए इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- ठीक है सर, अन्य बातें यूडीएबाई में हैं, आपने अपने 31 हजार करोड़ रुपए के ऋण के यबारे में कहा है, जिसके संबंध में राज्यों ने समझौता ज्ञापन पर पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसमें से आपको 21 हजार करोड़ रुपए प्राप्त हो गए हैं। शेष 10 हजार करोड़ रुपए की विषम राशि आपको उन राज्यों से इस वर्ष प्राप्त हो जानी चाहिए, जिन्होंने समझौता ज्ञापन पर पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- कुछ राज्यों के संबंध में यूडीएबाई की वापसी का वर्गीकरण ऐसा था कि वे ब्याज दरों के आधार पर आगे बढ़ते। इसलिए यदि पीएफसी की ब्याज की दर अधिक हो तो उन्हें मुझे 100 प्रतिशत भी अदा करना होगा, यदि ब्याज की दर कम हो तो उन्हें मुझे कुछ अदा नहीं करना होगा। वे कुछ अन्य संस्थाओं को अदायगी करेंगे। इसलिए इसी के आधार पर हमें लगभग 21,300 करोड़ रुपए प्राप्त हो गए हैं और 10 हजार करोड़ रुपए प्राप्त हो भी हो सकते हैं या नहीं भी।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- और इस 21 करोड़ रुपए का औसत उत्पादन क्या हो सकता है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- यह लगभग 12 प्रतिशत से 12.50 प्रतिशत हो सकता है।

- श्री मनीष शुक्ला, डच बैंक

- ठीक है सर, मैं यही पूछना चाहता था। धन्यवाद। ?

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री पुनीत श्रीवास्तव, दैवा कैपीटल मार्केट की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- पुनीत श्रीवास्तव, दैवा कैपीटल मार्केट

- हाय सर, केवल एक प्रश्न लगभग 76 विलियन के सकल एनपीएल के संबंध में है, क्या यह संभव है कि इसके प्रोफाइल का विवरण दिया जा सके कि तीन वर्ष से अधिक समय में कितना पसंद किया जाएगा, क्योंकि आपने प्रावधान से संबंधित अपने दिशा-निर्देशों में परिवर्तन कर दिया है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- 76 विलियन रुपए के एनपीए से लगभग 31 विलियन रुपयें संदिग्ध हैं।

- पुनीत श्रीवास्तव, दैवा कैपीटल मार्केट

- ठीक है, तो मोटे तौर पर कुल रकम क्या है और आप इसे कैसे देखते हैं? मेरा आशय यह है कि अनुमानित आधार पर इन ऋणों में से कितना ऋण आप अगले दो वर्ष या आगे की अवधि में उच्चीकृत कर पाएंगे? मैं वास्तविक स्थिति समझने का प्रयास करना चाहता हूं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- हमने पहले ही सूचित किया है कि माहेश्वर में हमने इक्विटी ले ली हैं, जिनमें परियोजनाओं का प्रबंधन भी शामिल है। इसलिए हो सकता है कि तीन वर्ष में रूप रेखा तैयार की जाए और हमें उस दिन की कुछ संभावना दिखाई दे रही है। रत्नागिरि गैस और पावर में भी गैस की उपलब्धता की भी समस्या है, लेकिन अब यह पीएसडीएफ योजना के अधीन है। अब उन्हें कुछ गैस मिल रही है और इसके पश्चात इसमें और दो वर्ष लग सकते हैं और अब हम पीएफसी को एलएनजी कारोबार के भागीदार के रूप में लेने के लिए सहमत हैं। पहले वे इस बात के लिए सहमत नहीं थे। वे कहते थे कि हम उनके लिए केबल अपने कारोबार के लिए हैं। अब विलयन न होने के कारण वे पीएफसी को भी स्वीकार करने के लिए भी तैयार हैं और एलएनजी कारोबार में उधारदाता के रूप में भी उसे स्वीकार करने के लिए भी तैयार हैं। इसलिए इस समस्या का दिसंबर तक समाधान हो जाएगा। अतः दूसरी छमाही में कुछ प्राप्ति होनी शुरू हो जाएगी। उसके पश्चात कोना सीमा गैस और पावर का मामला है क्योंकि कोई भी बैंक उनके संबंध में बैंक गारंटी देने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए वे बोली नहीं दे पा रहे हैं और सरकार से भी नियत कीमत के माध्यम से बहुत कम धनराशि प्राप्त कर पा रहे हैं। अब वास्तव में क्योंकि प्रतिकूल बोली नहीं दी जाती हैं, अतः मैं सोचता हूं कि उन्हें गैस आधारित प्लेटफार्म के लिए कोई सब्सिडी देने की आवश्यकता नहीं है। अभी तक कोई बैक उनके संबंध में बैंक गारंटी देने के लिए तैयार नहीं है। इसीलिए वे कोई कारोबार नहीं कर पा रहे हैं। कृष्णा गोदावरी में भी ऋण की रकम अपेक्षाकृत कम है, लेकिन इसका उच्चीकरण करने के लिए और तीन वर्ष लगेंगे।

- जल पावर को भी पुनः जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है।

- केवीके नीलाचल को पुनः जीवित करना : इस योजना को भी हम पुनः जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं और परियोजनाओं में कुछ नए प्रमोटरों को ला रहे हैं, इसलिए इसें चालू करने में दो वर्ष लग सकते हैं। यदि वे स्वीकृतियों के आधार पर कार्य करेंगे तो वे अगले दो वर्षों में ऐसा कर देंगे। इसलिए हम इन सभी बातों को वर्ष 2018-19 के संदर्भ में देख रहे हैं।

- पुनीत श्रीवास्तव, दैवा कैपीटल मार्केट

- ठीक है सर। धन्यवाद। सर लगभग 3 विलियन के प्रावधान के संबंध में एक प्रश्न और है, क्योंकि हमने दिशा-निर्देश बदल दिए हैं, इसलिए क्या आप सोचते हैं कि इस प्रावधान में बढ़ोत्तरी होगी?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- हमने दिशा-निर्देशों में परिवर्तन नहीं किया है, क्योंकि हम 1 अप्रैल, 2016 से आरबीआई के मापदंडों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसलिए हम आरबीआई के अनुसार परिवर्तन कर रहे हैं, क्योंकि आरबीआई ने कहा है कि कुछ समय बाद आपको आरबीआई के मापदंडों के अनुसार कार्य करना होगा। इसलिए हम आरबीआई के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास कर रहे हैं। हम अपने मापदंडों का पालन करना चाहते हैं, लेकिन आरबीआई ने हमें अनुदेश दिए हैं कि हम आरबीआई के मापदंडों का पालन करें।

- पुनीत श्रीवास्तव, दैवा कैपीटल मार्केट

- इसलिए यह मानते हुए कि एनपीएल केबल इस आधार पर ऊपर नहीं गया है, क्या आप सोचते हैं कि प्रावधान के ये स्तर इन संख्याओं के अनुरूप होंगे सर?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- सामान्य कारोबार में और यदि कोई विशिष्ट स्थिति पैदा नहीं होगी तो मार्च तक कोई नया एनपीएल नहीं होगा।

- पुनीत श्रीवास्तव, दैवा कैपीटल मार्केट

- ठीक है सर, धन्यवाद।

- संचालक :

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री समीर विसे, मैक्वेइरी की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी

- हाय, मनीष के पिछले प्रश्न को जारी रखते हुए मैं यह पूछना चाहता हूं कि यदि कोई परियोजना चालू की गई हो या पुनर्गठित की गई हो, जिसमें से पुनर्गठन की तारीख के बाद जो हुआ हो, क्या दो वर्ष में प्रगति हो जाती है? आपने कहा कि आईडीसी को अन्य उधारदाताओं द्वारा पूरा किया जाएगा, मैं समझता हूं कि यह किया गया एक वायदा है। क्या आप इसके संबंध में विस्तार से बता सकते हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- किसी भी परियोजना में आईडीसी की वित्त व्यवस्था या तो इक्विटी या ऋण से की जाती है। माना मेरा ऋण पूरा हो गया है। किसी व्यक्ति का ऋण चालू होने से पहले अभी वाकी है तो इसे अन्य

उधारदाता द्वारा पूरा किया जाएगा। यदि सभी उधारदाताओं से लिया गया ऋण समाप्त हो गया हो तो इसकी वित्त व्यवस्था इक्विटी से की जाएगी न कि ऋण निधि से।

- श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी

- काफी ठीक है और तब हम इसका उच्चीकरण कर सकते हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां। लेकिन केबल चालू होने के बाद।

- श्री समीर बिशे, मेक्वाइरी

- हां, चालू होने के बाद। धन्यवाद।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- मेरा प्रश्न लेने के लिए धन्यवाद। मैं यह पूछना चाहूंगा कि पुनर्गठन पुस्तिका में प्राइवेट सैक्टर और सरकारी सैक्टर का विभाजन क्या है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- 21,400 प्राइवेट सैक्टर और 8,500 सरकारी सैक्टर है।

- श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- 21 हजार करोड़ रुपए प्राइवेट सैक्टर का है और 8 हजार रुपए सरकारी सैक्टर, क्या यह सही है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- जी हां।

- श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- अब मैं केवल नये संवितरण के बारे में जानना चाहता हूं। कोई ऐसी सोच जहां यह मुख्य रूप से पहली छमाही में हो गया हो।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- इस तिमाही के दौरान एनएलसी तमिलनाडु को लगभग 3 हजार करोड़ रुपए , दामोदर वैली को लगभग 2 हजार करोड़ रुपए और एमपी पावर को 634 करोड़ रुपए , सभी वितरण कंपनियों को 2,100 करोड़ रुपए और तमिलनाडु ट्रांसमिशन को 500 करोड़ रुपए ।

- श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- ऐसी आशा है कि यूडीएबाई का काइंड ऑफ लीड से काइंड ऑफ ईल्ड का ढांचा लगभग 12 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत होगा या आपके अनुसार होगा। अब यूडीएबाई में आपके संपूर्ण कुल बुक आकार का लगभग 50 हजार करोड़ रुपए ही है। शेष रकम किस स्तर तक नीचे आ जाएगी। क्या इस संबंध में आपके पास कोई विशेष दिशा-निर्देश है?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- 8 प्रतिशत. . . . . .शब्द का क्या तात्पर्य है?

- श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- यूडीएबाई में यह बात कही गई है कि लीडिंग रेट वास्तव में पूर्णतः लगभग 12 प्रतिशत से 8 प्रतिशत में चला गया है।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- यदि पीएफसी और आरईसी के ऋण गैर एसएलआर बांडों में अथवा राज्य सरकार के गारंटीड डिस्काम बांडों में परिवर्तित की जाएगी और ऐसे बांडों का प्रस्ताव बाजार में दिया जाएगा, जिसमें पेंशन और बीमा कंपनियां भी शामिल हैं, तो यदि कोई शेष हो तो उसे डिस्कामों को उनके चालू उधार देने के अनुपात में बैंकों द्वारा ले लिया जाएगा, अतः यूडीएबाई के कार्यान्वयन तक पीएफसी के सभी ऋणों को प्रीपेड किया जाएगा। हमने आज की तारीख तक किसी यूडीएबाई बांड में निवेश नहीं किया है। जो कुछ भी हमें प्राप्त हुआ है वह वापसी या ऋण की वापसी से प्राप्त हुआ है। अतः इस धनराशि को 10 प्रतिशत या 11 प्रतिशत की दर से पुनः कारोबार में लगाया जा सकता है।

- श्री आलोक रामचंद्रन, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- ठीक है सर। मेरे प्रश्न पूरे हो गए हैं।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री धवल गाडा, सुंदरम म्युचुअल फंड की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री धवल गाडा, सुंदरम म्युचुअल फंड

- धन्यवाद। सर मैं इस उच्चीकरण के बारे में कुछ और जानना चाहता हूं, जिसके संबंध में वित्त वर्ष 2017 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2018 में कुछ अपेक्षाएं हैं। आपने पुनर्गठित पुस्तकों से कुछ उच्चीकरण का उल्लेख किया है। क्या आप कुछ ऐसा हिसाब दे पाएंगे कि ये कितने खाते हैं और यदि संभव हो तो उनका नाम भी बताने की कृपा करें? धन्यवाद।

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- हम नामों का उल्लेख नहीं करना चाहते हैं। हमने समेकित रूप में बता दिया है। लेकिन जिन खातों का उच्चीकरण किया जाना है वे तीन उधारकर्ताओं से संबंधित हैं।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री हर्षित तोशनीवाल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटी की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री हर्षित तोशनीवाल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटी

- मेरे प्रश्नों का उत्तर मिल चुका है। बहुत बहुत धन्यवाद।

- संचालक

- अब हम अपना अगला प्रश्न श्री अभिषेक माहेश्वरी, वालफोर्ट फाइनेंसियल सर्विसेज की पंक्ति से पूछेंगे। कृपया प्रश्न पूछें?

- श्री अभिषेक माहेश्वरी, वालफोर्ट फाइनेंसियल सर्विसेज

- हैलो सर। मुझे प्रश्न पूछने का अवसर देने के लिए धन्यवाद। सर, मेरा प्रश्न घरों के विद्युतीकरण के बारे में है। गांव का विद्युतीकरण तो अच्छी गति से हो रहा है लेकिन घर का विद्युतीकरण अभी 65

प्रतिशत तक हुआ है। कृपया आप हमें यह बता पाएंगे कि इस क्षेत्र में संवितरण संबंधी क्रिया-कलाप क्या किए जा रहे हैं?

- प्रबंधकवर्ग की टीम का सदस्य

- यह कार्य सरकार की प्रतिष्ठित योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अंतर्गत आता है। शुरू में विद्युतीकृत गांव की परिभाषा यह थी कि वहां के 10 प्रतिशत घर विद्युतीकृत हो गए हों और इसमें भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक विद्यालय या किसी सामुदायिक केंद्र तक अवश्य बिजली पहुंची हो। और यदि वहां कोई दलित बस्ती हो तो उसका भी विद्युतीकरण किया जाता है और उसके पश्चात गरीब की रेखा से नीचे (बीपीएल) के सभी घरों को भी बिजली दी जाती है। उसके अनुसार सभी गांव को विद्युतीकृत किया जा रहा है और अब सरकार 100 प्रतिशत घरों के विद्युतीकरण पर बल दे रही है अर्थात् गरीबी रेखा से ऊपर (एपीएल) के घरों को भी बिजली दी जा रही है। लेकिन सरकार गरीबी रेखा से ऊपर के घरों को बाध्य नहीं कर सकती है कि वह अनिवार्य रूप से बिजली ले, इसलिए भारत सरकार इसमें क्या कर सकती है, वह तो गांव में बिजली की अतिरिक्त आधारभूत सुविधाएं ही दे सकती है, इसलिए यदि कोई एपीएल घर बिजली की मांग करता है, तो वह बिजली प्राप्त कर सकता है, इसलिए गांवां के ट्रांसफार्मरों में पर्याप्त ट्रांसफार्मेशन क्षमता उपलब्ध है।

- श्री अभिषेक माहेश्वरी, वालफोर्ट फाइनेंसियल सर्विसेज

- ठीक है सर, धन्यवाद। मुझे केवल इसी के बारे में पूछना था।

- संचालक

- देवियो और सज्जनो, चूंकि यह अंतिम प्रश्न था और प्रतिभागियों का कोई और प्रश्न शेष नहीं रह गया है, इसलिए मैं यह मंच समापन टिप्पणी करने के लिए श्री आर. श्री शंकर, प्रभुदास लीलाधर को सौंप रहा हूं।

- श्री आर. श्री शंकर, प्रभुदास लीलाधर

- सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के प्रबंधकवर्ग के प्रतिनिधि श्री राजीव शर्मा, श्री नागराजन, श्री अग्रवाल और श्री रवि को इस बैठक में भाग लेने के लिए और विश्लेषकों/निवेशकां द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी निवेशकों और विश्लेषकों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इस सम्मेलन में भाग लिया है।

- श्री राजीव शर्मा- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

- आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद।

- संचालक

- आप सब महानुभावों का बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सम्मेलन को समाप्त करने के लिए प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मैं आप सबको धन्यवाद देता हूं कि आपने इस सम्मेलन में भाग लिया है और अब आप अपनी लाइनें डिसकनेक्ट कर सकते हैं।